Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ विनायक चतुर्थी गणेशपूजा विधि ॥

## ॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

# Full Disclaimer

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ मध्याह्न पूजा की तैयारी ॥

विनायक चतुर्थी में गणेशजी का पूजन स्थानीय मध्याह्न मुहूर्त में किया जाता है। शुक्ल पक्ष की चतुर्थी मध्याह्न में कब रहती है, यह अपने शहर के पंचांग से देखें। सामान्य घड़ी के ठीक बारह बजे को हर जगह समान मुहूर्त न मानें।

## स्नान और संकल्प

सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान साफ करें और गणेशजी के सामने बैठकर अपनी क्षमता के अनुसार व्रत तथा पूजा का संकल्प लें। उपवास के लिए फलाहार या अन्य घरेलू रीति स्वास्थ्य के अनुसार चुनें।

## चौकी की व्यवस्था

चौकी पर स्वच्छ कपड़ा बिछाकर गणेश प्रतिमा या चित्र रखें। पास में जल, दूर्वा, फूल, अक्षत, चंदन या रोली, धूप, दीप और मोदक या फल रखें। दीपक सुरक्षित जगह जलाएँ।

घर में गणेशजी की स्थायी प्रतिमा हो तो उसी की पूजा पर्याप्त है। छोटी मासिक पूजा के लिए हर बार नई प्रतिमा स्थापित करना जरूरी नहीं।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ गणेश पूजन का सरल क्रम ॥

## १. आवाहन और अर्पण

गणेशजी का ध्यान कर हाथ जोड़ें। प्रतिमा के पास जल अर्पित करें और चंदन या रोली, अक्षत, फूल तथा दूर्वा चढ़ाएँ। चित्र की पूजा में जल पात्र सामने रखकर प्रतीकात्मक अर्पण करें।

## २. मंत्र और नैवेद्य

“ॐ गं गणपतये नमः” का अपनी सुविधा के अनुसार जप करें। धूप-दीप दिखाएँ और मोदक, लड्डू या फल का प्रसाद रखें। अपनी बुद्धि और कर्म में विवेक तथा सबके मंगल की प्रार्थना करें।

## ३. आरती और समापन

गणेश आरती करें। कुछ समय शांत बैठें और प्रसाद परिवार में बाँटें। घर की व्रत-रीति के अनुसार पूजा के बाद हल्का सात्त्विक भोजन लें; लंबे उपवास के बाद एकदम भारी भोजन से बचें।

मासिक विनायक चतुर्थी की पूजा में संकष्टी की तरह चंद्रोदय का इंतजार करके चंद्र अर्घ्य देने का सामान्य नियम नहीं है। अपने परिवार की विशेष परंपरा हो तो उसका सम्मान करें।

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥